सागर में सम्मान पहल

स्रोत: पीआईबी

भारत सरकार ने महिलाओं के अंतर्राष्ट्रीय समुद्री दिवस के अवसर पर **'सागर में सम्मान' (SMS) पहल** शुरू की, जिसका उद्देश्य अधिक महिलाओं को नाविकों के रूप में प्रशिक्षित करना और भारत को वैश्विक समुद्री शक्ति बनाने के लक्ष्य को साकार करना है।

- **अंतर्राष्ट्रीय समुद्री संगठन (IMO)** द्वारा प्रतिवर्ष 18 मई को मनाया जाने वाला अंतर्राष्ट्रीय महिला समुद्री दिवस, समुद्री क्षेत्र में लैंगिक संतुलन और समावेशी विकास को बढ़ावा देता है।
- **वर्ष 2025 की थीम: "'महिलाओं के लिये अवसरों का महासागर'" ("An Ocean of Opportunities for Women")**

सागर में सम्मान:

- **परिचय:** इसका उद्देश्य समुद्री परिचालन में महिलाओं के समावेशन, सुरक्षा, कौशल विकास, नेतृत्व और समान अवसरों को बढ़ावा देकर लैंगिक समानता वाले समुद्री कार्यबल का निर्माण करना है।
  - **यह लैंगिक समावेशन के लिये IMO मिशन** और **संयुक्त राष्ट्र SDG-5 (लैंगिक समानता)** के व्यापक दृष्टिकोण के अनुरूप है।
  - यह भारत की **विविधता, समानता और समावेश (DEI)** एजेंडे एवं **मैरीटाइम इंडिया विजन 2030** के साथ भी संरेखित है , इसमें **योजना, प्रशिक्षण, अनुसंधान, शासन और आउटरीच** को शामिल किया गया है।
- **प्रभाव एवं लक्ष्य:** भारत में **महिला नाविकों की संख्या में 649% की वृद्धि** हुई है, जो वर्ष **2014 में 341 से बढ़कर वर्ष 2024 में 2,557 हो गई है**, तथा **लगभग 3,000 महिलाओं को वित्तीय सहायता** प्राप्त हुई है।
- इस पहल में **वर्ष 2030** तक तकनीकी **समुद्री भूमिकाओं में 12% महिला प्रतिनिधित्व का लक्ष्य** रखा गया है।
- **भारत के समुद्री क्षेत्र में प्रमुख पहल:**
- **क्षेत्र में सभी के लिये सुरक्षा और विकास (सागर)**
- समुद्री अमृतकाल विजन 2047

अधिक पढ़ें: भारत के समुद्री क्षेत्र में विकास

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/sagar-mein-samman-initiative